B.Ed. Semester-I Examination 2014
Hindi
Paper : B.Ed. - 115/116
Pedagogical Content Knowledge of Hindi

Time : Three Hours **Full Marks : 70**

Questions are of value as indicated in the margin.

1. इनमें से किसी एक की पाठ-योजना बनाएँ। 1×14=14

(क) विकारी शब्दों (संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया एवं विशेषण) में किसी एक का सोदाहरण पाठ-योजना बनाएँ। 14

(ख) अपने किसी पठित कहानी के आधार पर कहानी की पाठ-योजना प्रस्तुत करें। 14

(ग) कविता— यह दन्तुरित मुस्कान (नागार्जुन) 14

तुम्हारी यह दन्तुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात.....
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि सरने लग पड़े शेफालिका
के फूल, बाँस था कि बबूल?

उपर्युक्त काव्यांश के आधार पर कविता की पाठ-योजना तैयार करें।

2. इनमें से किन्हीं **दो** का उत्तर दें। 2×14=28

(क) 'भाषा की प्रकृति परिवर्तनशील है', इसकी व्याख्या करते हुए इसके कारणों को सोदाहरण विस्तार पूर्वक लिखिए। 6+8=14

(ख) सूक्ष्म-शिक्षण तथा अनुकरण-शिक्षण में अन्तर बताएँ। सूक्ष्म-शिक्षण के मूलभूत मान्यताओं को स्पष्ट करते हुए इसके सोपानों (Steps) का विस्तार पूर्वक उल्लेख करें। 3+6+5=14

(ग) प्रथम भाषा और द्वितीय भाषा बालक के जीवन में क्या महत्त्व एवं अन्तर रखता है? स्पष्ट कीजिए। द्वितीय भाषा-शिक्षण की कठिनाइयों का भी उल्लेख कीजिए। 7+7=14

(घ) हिन्दी साहित्य के काल-विभाजन के आधार पर हिन्दी भाषा के विकास एवं परिवर्तन को सोदाहरण वर्णन करें। 6+8=14

3. इनमें से किन्हीं **दो** का उत्तर दें। 2×8=16

(क) ब्लूम (Bloom) के रैखिक उद्देश्यों के वर्गीकरण को विस्तारपूर्वक समझाइएँ। 8

(ख) दृश्य-श्रव्य साधन किस प्रकार से शिक्षा-सहायक साधन है तथा इसके कितने प्रकार हैं। दृश्य-श्रव्य साधन के महत्व पर प्रकाश डालिए। 3+5=8

(ग) वर्तमान समय में एक अध्यापक की भूमिका कैसी होनी चाहिए? अध्यापक के उत्तरदायित्वों एवं सामान्य गुणों का विस्तारपूर्वक उल्लेख करें। 3+5=8

(घ) पाठ्य पुस्तकों की आवश्यकता तथा महत्त्व का विवेचन करते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन करें। 4+4=8

P.T.O.

4. इनमें से किन्हीं **चार** का उत्तर दें। 4×3=12

(क) एडगर डेल के अनभवों का कोन (Cone)। 3

(ख) शिक्षण व्यूह-रचना एवं शिक्षण-आयाम में अन्तर। 3

(ग) समूह-शिक्षण विधि (Team-teaching)। 3

(घ) अच्छी मापन प्रविधियों की विशेषताएँ। 3

(ङ) पुनर्बलन कौशल (Skill of reinforcement) । 3

(च) पात्र-अभिनय प्रविधि (Role-play strategy)। 3